

Integrated Greivance Redressal System (IGRS) Training at Lalitpur (Uttar Pradesh)



A comprehensive Training of Integrated Greivance Redressal System (IGRS) was organized at District Magistrate Office Meeting Hall on 8th Februrary 2016. The training began with address by Dr. Rupesh Kumar, District Magistrate Lalitpur who underlined the importance of this project and instructed for timely disposal and e-marking of complaints received through IGRS.

The salient features of the software were explained by DIO Mr. Shakti Agrawal. A detailed presentation on role of officers and procedure for disposal of received complaints was given by ADIO Mr. Arpit Jain. The training was attended by more than 65 district level officers including all SDMs and Tehsildaars.

आइजीआरएस प्रणाली से ऑनलाइन दर्ज होंगी शिकायतें

डीएम ने एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली की दी जानकारी

ललितपुर ब्यूरो : जिलाधिकारी डॉ. रूपेश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि आइजीआरएस प्रणाली के माध्यम से मुख्यमंत्री से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी। इतना ही नहीं, सम्बन्धित अधिकारी को शिकायत के निस्कारण की सूचना भी ऑनलाइन देना होगा। शिकायत का निस्कारण सही होने पर शिकायतकर्ता ऑनलाइन रिवाइंडर भी भेज सकेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रभावी शिकायत प्रबंधन, निवारण और निगरानी के लिये एकीकृत एवं केन्द्रीकृत कम्प्यूटीकरण प्रणाली, जनसुनवाई का विकास किया गया है जिसके माध्यम से विभागों में वत रवी विभिन्न शिकायत प्रबंधन प्रणालियों को एक प्लेटफॉर्म पर सम्मिलित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली के तहत होने में नागरिकों एवं शासन/विभागों के बीच असम एवं बरतली स्म से संवाद हो सकेगा तथा नागरिक किसी भी समय शिकायतों को दर्ज/टैक कर सकेगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्कारण एवं अनुकूलन के निर्देश दिये। जिला नृवना शिक्षण अधिकारी शक्ति अग्रवाल ने आईजीआरएस के बारे में अधिकारियों को डिस्कार से जानकारी दी तथा इसका एक डेमो भी प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रणाली में मुख्यमंत्री कार्यालय, जिलाधिकारी कार्यालय, कर्मावली विक्स, भारत सरकार के पीजी खेट, जनसुविधा, सोशलमी केन्द्र आदि माध्यमों से प्राप्त समस्त सन्दर्भ दर्ज किये जा सकेगे तथा दर्ज सन्दर्भों का अनुकूलन लोक शिकायत



ललितपुर : कार्यशाला में मौजूद अधिकारी।



अनुकूल मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा किया जायेगा। इस प्रणाली की विशेषता के बारे में बताते हुए कहा कि नागरिकों एवं शासन के बीच इंटरफेस सरल होगा। सभी माध्यमों से प्राप्त शिकायतों एक ही पोर्टल/प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगी जिससे विभागीय अधिकारियों को प्राप्त सन्दर्भों का निस्कारण/अनुकूलन करने में सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि ई-मार्किंग (एयरमार्किंग) सम्बन्धित विभागों एवं अधिकारियों को भी जोड़ सकाई है तथा सम्बन्धित विभाग अमीनस्व अधिकारियों को भी ई-मार्किंग (एयरमार्किंग) कर सकते हैं। शिकायतों की निस्कारण अस्थाय तथा शिकायत पर की गयी कार्रवाई सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों द्वारा अपलोड की जा सकाई है तथा इलेक्ट्रॉनिक करिके से उसका निस्कारण भी किया जा सकता है। जनसुनवाई द्वारा आईजीआरएस प्रणाली के माध्यम से शिकायतों का ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सकता है तथा विधित सम्बन्धियों के अन्तर शिकायत का निस्कारण न होने पर रिमाइन्डर भेजा जा सकता है। इस प्रणाली में जन्मद करण के अक्षर पर सम्बन्धित शिकायत का प्रत्येक स्तर पर स्टेटस चेक किये जाने की सुविधा भी उपलब्ध होगी। विभागों तथा अधिकारियों को शिकायत पर कार्रवाई करने हेतु एक्स्प्रेस तथा ई-मेल द्वारा रिमाइन्डर भेजने की सुविधा भी उपलब्ध



ललितपुर : बैठक में निर्देश देते डीएम।

कराई गयी है। विभागीय आईजीआरएस पोडल अधिकारी को शिकायतों की मॉनिटरिंग की सुविधा डैशबोर्ड पर उपलब्ध होगी। जनता द्वारा जनसुविधा/उपलब्धियों को दिये गये सुझावों पर विभागों द्वारा अनुकूलन किया जायेगा एवं योजना बनाते समय इन सुझावों का उपयोग किये जाने की सुविधा भी उपलब्ध

कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर अधिकारियों एवं विभागों में शिकायतों से सम्बन्धित विभिन्न रिपोर्टों को देखने की सुविधा होने से विभागों की कार्यक्षमता में सुधार भी होगा। इस दौरान अरु जिलाधिकारी मिश्रा ने एड्वान किये, मुख्य विरस अधिकारी अरुण कुमार आश्रवा, उपजिलाधिकारी महारौरी वरु

रुन्गी, उपजिलाधिकारी सदा रमेशचन्द्र, उपजिलाधिकारी तालचोट रत्नकर मिश्र, उपजिलाधिकारी पाली प्रियंका सिंह, उप जिलाधिकारी मड़रा सुरेश कुमार फल, जिला विरस अधिकारी देवेंद्र प्रताप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे।

सभी शिकायतें होंगी एक प्लेटफार्म पर

अमर उजाला ब्यूरो

ललितपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर बताया गया कि प्रभावी शिकायत प्रबंधन, निवारण और निगरानी के लिए एकीकृत एवं केंद्रीयकृत कंप्यूटरीकरण प्रणाली और जनसुनवाई का विकास किया गया है, जिसके माध्यम से विभागों में चल रही विभिन्न शिकायत प्रबंधन प्रणालियों को एक प्लेटफार्म पर समाहित किया गया है।

जिलाधिकारी डा. रूपेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में उन्होंने कहा कि इस प्रणाली के लागू होने से नागरिकों, शासन/विभागों के बीच आसान एवं पारदर्शी रूप से संवाद कायम हो सकेगा तथा नागरिक किसी भी समय शिकायतों को दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण

निस्तारण एवं अनुश्रवण के निर्देश दिए। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी शक्ति अग्रवाल ने आईजीआरएस के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा एक डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस प्रणाली में मुख्यमंत्री कार्यालय, जिलाधिकारी कार्यालय, तहसील दिवस, भारत सरकार के पीजी पोर्टल, जनसुविधा, लोकवाणी केंद्र आदि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त सभी संदर्भ दर्ज किए जा सकेंगे तथा दर्ज संदर्भों पर क्रियान्वयन लोक शिकायत अनुभाग मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा किया जाएगा। इस प्रणाली से नागरिकों व शासन के बीच इंटरफेस कायम होगा। सभी माध्यमों से प्राप्त शिकायतें एक ही पोर्टल/ प्लेटफार्म पर उपलब्ध रहेंगी, जिससे विभागीय अधिकारियों को प्राप्त संदर्भों का निस्तारण करने में सुविधा होगी।

यह भी बताया गया कि ई-मार्किंग (फारवर्डिंग) संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को की जा

सकती है तथा संबंधित विभाग अपने अधीनस्थ अधिकारियों को भी ई-मार्किंग (फारवर्डिंग) कर सकते हैं। शिकायतों की निस्तारण आख्या तथा शिकायत पर की गयी कार्रवाई संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा अपलोड की जा सकती है। इलेक्ट्रॉनिक तरीके से उसका निस्तारण भी किया जा सकता है। जनसामान्य द्वारा आईजीआरएस प्रणाली के माध्यम से शिकायतों का ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सकता है। निर्धारित समयावधि के अंदर शिकायत का निस्तारण नहीं होने पर रिमाइंडर भेजा जा सकता है। इस प्रणाली में संदर्भ संख्या के आधार पर संबंधित शिकायत का प्रत्येक स्तर पर स्टेटस चेक किए जाने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। विभागों तथा अधिकारियों को शिकायत पर कार्रवाई करने के लिए एसएमएस तथा ई-मेल द्वारा रिमाइंडर भेजने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। विभागीय आईजीआरएस नोडल

अधिकारी को शिकायतों की मॉनिटरिंग की सुविधा डैशबोर्ड पर उपलब्ध होगी। जनता द्वारा जनप्रतिनिधियों/ उच्चाधिकारियों को दिए गए सुझावों का विभागों द्वारा अनुश्रवण किया जाएगा एवं योजना बनाते समय इन सुझावों का उपयोग किए जाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। पोर्टल पर अधिकारियों एवं विभागों में शिकायतों से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों को देखने की सुविधा होने से विभागीय कार्यक्षमता में सुधार होगा। कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी मिथलेश कुमार त्रिवेदी, मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार उपाध्याय, एसडीएम महरीनी यशु रुस्तगी, एसडीएम ललितपुर रमेश चंद्र, एसडीएम तालवेहट रत्नाकर मिश्र, एसडीएम पाली प्रियंका सिंह, एसडीएम मड़ावार सुरेश कुमार पासल, जिला विकास अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद थे।

दैनिक हिंदुस्तान 09/02/2016

05 • काठपुर • अंगारवाट • 09 फरवरी 2016

हिन्दुस्तान आज का दिन

1975 में रूसी अंतरिक्ष यान सोयुज 17 अंतरिक्ष से 29 दिन बाद धरती

प्रणाली से नागरिकों के बीच होगा इंटरफेस कायम, कार्यशाला में संबंधितों को दी जानकारियां

शिकायत निवारण प्रणाली से दूर होंगी समस्याएं

ललितपुर | हिन्दुस्तान संवाद

स्थानीय कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आई.जी.आर.एस.) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी ने प्रभावी शिकायत प्रबंधन, निवारण और निगरानी के लिए एकीकृत एवं केंद्रीयकृत कंप्यूटरीकरण प्रणाली, जनसुनवाई आदि की जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई।

कार्यशाला में विभागों में चल रही विभिन्न शिकायत प्रबंधन प्रणालियों को एक प्लेटफार्म पर समाहित किया गया है। इस दौरान डीएम ने कहा कि एकीकृत

प्रणाली के लागू होने से नागरिकों एवं शासन/विभागों के बीच आसान एवं पारदर्शी रूप से संवाद हो सकेगा। नागरिक किसी भी समय शिकायतों को दर्ज/ट्रैक कर सकेंगे। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी शक्ति अग्रवाल द्वारा आई.जी.आर.एस. के बारे में कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी गई और इसका एक डेमो भी प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रणाली में मुख्यमंत्री कार्यालय, डीएम कार्यालय, तहसील दिवस, भारत सरकार के पी.जी.पोर्टल, जनसुविधा, लोकवाणी केंद्र आदि माध्यमों से प्राप्त समस्त संदर्भ दर्ज किए जा सकेंगे और दर्ज संदर्भों का अनुश्रवण लोक शिकायत अनुभाग



कलेक्ट्रेट के सभागार में बैठत करते जिलाधिकारी डॉ. रूपेश कुमार। • हिन्दुस्तान

डीएम कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

इस प्रणाली की विशेषता के बारे में बताया हुए कहा कि नागरिकों एवं शासन के बीच इंटरफेस कायम होगा। सभी

माध्यमों से प्राप्त शिकायतें एक ही पोर्टल/प्लेटफार्म पर उपलब्ध होंगी जिससे विभागीय अधिकारियों को प्राप्त संदर्भों का निस्तारण/अनुश्रवण करने में

सुविधा होगी। यह भी बताया गया कि ई-मार्किंग (फारवर्डिंग) संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को की जा सकती है तथा संबंधित विभाग अपने अधीनस्थ अधिकारियों को भी ई-मार्किंग (फारवर्डिंग) कर सकते हैं। कार्रवाई संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा अपलोड की जा सकती है और इलेक्ट्रॉनिक तरीके से उसका निस्तारण भी किया जा सकता है। जनसामान्य द्वारा आई.जी.आर.एस. प्रणाली के माध्यम से शिकायतों का ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सकता है तथा निर्धारित समयावधि के अंदर शिकायत का निस्तारण न होने पर रिमाइंडर भेजा जा सकता है। इस प्रणाली में संदर्भ संख्या के

आधार पर संबंधित शिकायत का प्रत्येक स्तर पर स्टेटस चेक किए जाने की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

विभागों और अधिकारियों को शिकायत पर कार्रवाई करने हेतु एस.एम.एस. तथा ई-मेल द्वारा रिमाइंडर भेजने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। विभागीय आई.जी.आर.एस. नोडल अधिकारियों को शिकायतों की मॉनिटरिंग की सुविधा डैशबोर्ड पर उपलब्ध होगी। जनता द्वारा जनप्रतिनिधियों/ उच्चाधिकारियों को दिए गए सुझावों का विभागों द्वारा अनुश्रवण किया जाएगा एवं योजना बनाते समय इन सुझावों का उपयोग किए जाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।